मायावती

मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश

लाल बहादुर शास्त्री भवन
लखनऊ

सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि लक्ष्मी देवी ललित कला अकादमी द्वारा अपने प्रथम वार्षिकोत्सव का अयोजन आगामी ०७ अप्रैल को कानपुर में किया जा रहा है और इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

अकादमी द्वारा समाज में संगीत एवं ललित कलाओं की प्रतिष्ठा को स्थापित करने के लिए किये जा रहे प्रयास वर्तमान परिवेश में एक सार्थक पहल है। संगीत एवं ललित कलायें भारतीय परिवेश में प्राचीन काल से ही लोकप्रिय रही है। पश्चिमी संगीत के आने पर भी इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। भारतीय संगीत अपने प्रभावी गुणों के कारण आज भी श्रोताओं के मन-मस्तिष्क को झकझोर देती है। संगीत एवं ललित कलाओं को आम जनता तक पहुंचाने के लिए सभी को गंभीर प्रयास करने चाहिए।

मुझे विश्वास है कि स्मारिका में संगीत एवं ललित कलाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला जायेगा, जो संगीत प्रेमियों के लिए उपयोगी एवं रूचिकर होगी।

स्मारिका के प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(मायावती)